भगवान के लिए प्रयास तो करते हैं, लेकिन ज्ञान में नहीं।

शैलोम,

हमारे उद्धारकर्ता, सब्र के राजा और सभी प्रभुओं के प्रभु, यीशु मसीह का नाम हमेशा धन्य हो। यह एक और दिन है, इसलिए मैं आपको आमंत्रित करता हूँ कि हम साथ मिलकर इस शास्त्र पर ध्यान दें।

शास्त्र कहता है:

रोमियों 10:1–2

“मेरे भाइयों, मेरा हृदय उनकी भलाई के लिए अत्यंत उत्साहित
है, और मेरी प्रार्थना यह है कि वे उद्धार पाएँ।
क्योंकि मैं उन्हें गवाही देता हूँ कि वे ईश्वर के लिए प्रयासशील हैं, लेकिन ज्ञान में नहीं।”

जैसा कि हम देख सकते हैं, केवल “प्रयास” पर्याप्त नहीं है। अगर हमारे पास ईश्वर की सही उपासना का ज्ञान नहीं है, तो हमारा काम व्यर्थ हो जाता है। यही कारण है कि अधिकांश लोग ईश्वर तक नहीं पहुँच पाते और उन्हें ऐसा लगता है कि ईश्वर उनके साथ नहीं है, भले ही वे अपने जीवन में पूरी मेहनत कर रहे हों।

आज हम बाइबिल में दो तरह के लोगों पर ध्यान देंगे, जो ईश्वर के लिए परिश्रमी हैं लेकिन ज्ञान में नहीं:

पहला समूह: वे लोग जो मसीही विश्वास में हैं।

दूसरा समूह: वे लोग जो मसीही नहीं हैं, लेकिन दावा करते हैं कि वे सच्चे ईश्वर की खोज में हैं और उसे प्रेम करते हैं।

हम इन दोनों समूहों का बाइबिल के अनुसार अध्ययन करेंगे। अगर हममें से कोई भी इनमें से किसी समूह में आता है, तो हमें जल्द ही अपनी आत्म-गौरवना और बदलाव की आवश्यकता है।

पहला समूह: मसीह में रहने वाले लोग

बाइबिल में मार्था नामक एक महिला का उदाहरण मिलता है। एक दिन उसने प्रभु यीशु को अपने घर आमंत्रित किया। लेकिन वह नहीं जानती थी कि मसीह क्या चाहता है। इसके बजाय, वह व्यस्त हो गई – बर्तन धोने, रसोई में खाना बनाने, मेहमानों के लिए पानी भरने आदि में। और सबसे अधिक उसे यह खटकता था कि उसकी बहन मरियम तो शांत बैठकर प्रभु की शिक्षाओं को सुन रही थी।

मार्था ने प्रभु से कहा: “हे प्रभु, क्या आप इसे मेरे बहन से कह

देंगे कि वह मेरी मदद करे?”

लेकिन प्रभु ने उत्तर दिया:

लूका 10:41–42

“मार्था, मार्था, तू कई बातों में चिंतित और परेशान है;
परन्तु एक ही चीज़ की आवश्यकता है; और मरियम ने वह उत्तम भाग चुना, जिसे कोई नहीं छीन सकता।”

मार्था उन लोगों का प्रतीक है, जो ईश्वर के लिए मेहनत तो करते हैं, लेकिन ज्ञान में नहीं। वे सोचते हैं कि ईश्वर उनकी थकान और परिश्रम से खुश होंगे, लेकिन वे आत्मिक आवश्यकताओं को अनदेखा कर देते हैं।

आज कई मसीही ऐसे हैं, जो बाइबिल का अध्ययन नहीं करते, प्रार्थना नहीं करते, पवित्र आत्मा से मार्गदर्शन नहीं माँगते, लेकिन गाने में, चर्च के निर्माण में, और दान देने में बहुत परिश्रमी हैं। उनकी मेहनत गलत नहीं है, लेकिन ज्ञान में न होने के कारण, ईश्वर के सामने उनकी परिश्रम बेकार लगती है।

सच में, यह बेहतर है कि आप बाइबिल का अध्ययन करें, ईश्वर के वचन में गहरी समझ रखें, पवित्र बपतिस्मा लें, और पवित्र आत्मा से शिक्षा प्राप्त करें, बजाय इसके कि आप केवल बाहरी कार्यों में लगे रहें।

दूसरा समूह: गैर-मसीही लोग जो ईश्वर के लिए प्रयासशील हैं

कुछ लोग जो ईश्वर का सम्मान करते हैं, लेकिन मसीही नहीं हैं, भी इस समूह में आते हैं। उनमें से कुछ तो अच्छे इरादों वाले होते हैं और बहुत परिश्रम करते हैं, लेकिन ज्ञान की कमी के कारण, वे अक्सर ईश्वर के उद्देश्य से दूर चले जाते हैं और कभी-कभी उसके कार्य को नुकसान पहुँचाते हैं।

उदाहरण: पौलुस स्वयं। उन्होंने मसीह को स्वीकार करने से पहले ईश्वर के लिए अत्यंत मेहनत की, लेकिन ज्ञान की कमी के कारण उन्होंने मसीह के अनुयायियों को मार डाला (फिलिपियों 3:6–7)। इसी तरह अन्य यहूदी भी।

कुछ इस्लाम धर्म के अनुयायी भी ऐसा करते हैं। हर कोई हिंसा नहीं करता, लेकिन वे सोचते हैं कि वे ईश्वर का सम्मान कर रहे हैं। लेकिन ज्ञान की कमी उन्हें सत्य मार्ग से भटका देती है। जैसा कि शास्त्र कहता है:

होशे 4:6

“मेरे लोग ज्ञान के अभाव में नष्ट हो रहे हैं।”

ज्ञान का स्रोत

भाइयों और बहनों, यही कारण है कि हम बार-बार यीशु, यीशु, यीशु कहते हैं। क्योंकि सारा ज्ञान और बुद्धि केवल उसी में मिलता है (कुलुस्सियों 2:3)। यदि आप उसे सही ढंग से जानते हैं, तो आप ज्ञान के साथ ईश्वर की उपासना कर सकते हैं।

इफिसियों 4:13

“…ताकि हम सब विश्वास में एकता प्राप्त करें और परमेश्वर
के पुत्र को पूरी तरह जानें, और परिपूर्ण व्यक्ति बनें, मसीह
की परिपूर्णता तक पहुँचें।”

यीशु कहाँ हैं? वह अपने वचन (बाइबिल) में हैं। चाहे आप मुस्लिम हों या किसी अन्य धर्म में हों, अभी यीशु की ओर लौटें, उस पर

विश्वास करें, और ज्ञानपूर्वक ईश्वर की उपासना करें।

यूहन्ना 14:6

“…मैं मार्ग, सत्य और जीवन हूँ; कोई पिता के पास नहीं आता,
सिवाय मेरे द्वारा।”

यदि आप मसीही हैं लेकिन केवल बाहरी धार्मिक गतिविधियों में लगे हैं, तो यह आपका समय है कि आप स्वयं पर ध्यान दें, ईश्वर की इच्छा को जानें और सच्चाई और पवित्र आत्मा के साथ उसे उपासना करें।

भगवान आपको आशीर्वाद दे।

कृपया इस शुभ संदेश को दूसरों के साथ साझा करें। यदि आप चाहें, तो हम आपको यह पाठ ईमेल या व्हाट्सएप के माध्यम से भेज सकते हैं। संदेश भेजें या +255 789001312 पर संपर्क करें।

Share on:
WhatsApp